छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना

अल्वारेज और मार्टिनेज ने अर्जेंटीना को विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचाया

कैनसस सिटी, 12 जुलाई अर्जेंटीना के फीफा विश्व कप 2026 अभियान में पहली बार स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के गोल नहीं कर पाने के बावजूद जूलियन अल्वारेज और लॉटारो मार्टिनेज ने अतिरिक्त समय में गोल करके स्विट्जरलैंड पर 3-1 से रोमांचक जीत हासिल की और सेमीफाइनल में जगह पक्की की. जहां उसका मुकाबला 15 जुलाई को इंग्लैंड से होगा.

टूर्नामेंट के लगभग हर मैच में गोल करने के बाद, मेसी इस बार गोल नहीं कर पाए, जबकि अर्जेंटीना के ज़्यादातर हमलों की योजना उन्होंने ही बनाई थी. पूरे मैच के दौरान स्विट्जरलैंड के खिलाड़ियों ने उन पर कड़ी नजर रखी. आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता मेसी अतिरिक्त समय के आखिर में गोल करने के सबसे करीब पहुंचे, जब ग्रैनिट जाका ने उनके निचले शॉट को रोक दिया. लेकिन अर्जेंटीना के बाकी खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया.

लियोनेल स्कालोनी की टीम ने अच्छी शुरुआत की और 10वें मिनट में बढ़त बना ली, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने एक शानदार मूव को गोल में बदलकर दक्षिण अमेरिकी टीम को आगे कर दिया. स्विट्ज़रलैंड धीरे-धीरे मैच में लौटा और दूसरे हाफ में ज़बरदस्त वापसी की. डैन एनडोये ने 67वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया, जिससे स्विस टीम में नया जोश आ गया और मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया. सिर्फ़ पांच मिनट बाद मैच का रुख फिर बदला, जब ब्रेल एम्बोलो को दूसरा पीला कार्ड मिलने के बाद मैदान से बाहर भेज दिया गया और स्विट्ज़रलैंड की टीम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने लगी. खिलाड़ियों की कमी के बावजूद स्विस टीम ने हार नहीं मानी और अनुशासन के साथ बचाव किया, जबकि गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने कई अहम बचाव करके अर्जेंटीना के फॉरवर्ड खिलाड़ियों को निराश किया.

मेसी हमले की कमान संभाले रहे, मौके बनाते रहे और स्विस रक्षापंक्ति की परीक्षा लेते रहे, लेकिन अर्जेंटीना निर्धारित समय में निर्णायक गोल नहीं कर पाया और मैच अतिरिक्त समय में चला गया. जब ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी की नौबत आने वाली थी, तब सब्स्टीट्यूट जुआन लोपेज़ ने 112वें मिनट में आते ही असर दिखाया. पेनल्टी एरिया के ठीक बाहर लोपेज से गेंद मिलने के बाद, जूलियन अल्वारेज ने अपने मजबूत पैर से गेंद को घुमाते हुए टॉप कॉर्नर में शानदार शॉट मारा और बेबस कोबेल को छकाते हुए अर्जेंटीना को फिर से बढ़त दिला दी.

> स्विट्ज़रलैंड ने बराबरी का गोल करने का पूरा प्रयास किया और आखिरी पलों में अपने ज़्यादातर खिलाड़ियों को हमले के लिए आगे भेजा. हालांकि, अर्जेंटीना ने अतिरिक्त के स्टॉपेज टाइम में एक ज़बरदस्त काउंटर-अटैक के ज़रिए जीत पक्की कर ली. अर्जेंटीना के हाफ में गहराई से अल्वारेज ने जाका से गेंद छीनी और फिर थियागो अल्माडा तेज़ी से आगे बढ़े. कोबेल ने अल्माडा के शॉट को रोक दिया, लेकिन 121वें मिनट में लौटती हुई गेंद (रिबाउंड) पर सबसे तेज़ी से प्रतिक्रिया करते हुए लाउटारो मार्टिनेज़ ने उसे खाली नेट में डालकर गोल कर दिया. मैच खत्म होने की सीटी बजने से कुछ ही पल पहले, मेसी पेनल्टी एरिया में घुसकर गोल करने के करीब थे, लेकिन जाका ने अहम बचाव करते हुए स्विट्ज़रलैंड को और बड़ी हार से बचा लिया.

मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन

केप टाउन. दक्षिण अफ्रीका की फुटबॉल टीम को विश्व कप के राउंड ऑफ 32 तक पहुंचाने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया है. एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका के तीन ग्रुप मैचों में से दो में शुरुआती लाइनअप में जगह बनाई और 24 जून को दक्षिण कोरिया के खिलाफ 1-0 की जीत में बेंच से मैदान पर उतरे, जिसने इतिहास में पहली बार नॉकआउट राउंड में उनकी जगह पक्की कर दी. जब 28 जून को कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को टूर्नामेंट से बाहर हुआ तब वह एक अप्रयुक्त स्थानापन्न खिलाड़ी थे. दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल प्लेयर्स यूनियन ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, 'जेडेन ने हाल ही में फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया था, जहां उन्होंने गर्व, साहस और विशिष्टता के साथ राष्ट्र की उम्मीदों का भार उठाया था. उनका निधन उनके परिवार, टीम के साथियों, क्लबों, फुटबॉल जगत और पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उन्होंने कहा, 'हम एडम्स परिवार, मैमेलॉडी सनडाउन्स, स्टेलनबोश एफसी, बाफना बाफना और उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिनके जीवन को उन्होंने छुआ. दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी, खेल के एक गौरवशाली सेवक और एक ऐसे युवा जीवन को खो दिया है जिसमें अभी बहुत कुछ देने को था.' एडम्स की मौत का कारण नहीं पता चल सका है.

इंग्लैंड ने विश्व कप के सेमीफाइनल में किया प्रवेश

मियामी गार्डन्स. अतिरिक्त समय में जूड बेलिंगहम के किये दूसरे गोल की बदौलत इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप के क्वार्टरफाइनल में नॉर्वे को 2-1 से हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की. विश्वकप के इतिहास में यह चौथी बार है जब इंग्लैंड इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है. हार्ड रॉक स्टेडियम में शनिवार रात इस सदी में अपना पहला विश्वकप खेल रही नॉर्वे की टीम ने 36वें मिनट में बढ़त बनाकर इंग्लैंड को चौंका दिया. एंड्रियास श्जेल्डरुप ने रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए स्कैंडिनेवियाई टीम को शानदार शुरुआत के बाद उन्हें सही बढ़त दिलाई. इंग्लैंड ने हाफ-टाइम से ठीक पहले बेलिंगहम के जरिए जवाब दिया. उन्होंने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में शांतचित्त होकर गोल किया और स्कोर बराबर कर दिया, जिससे टीमें 1-1 की बराबरी के साथ ब्रेक पर गईं. दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए और मुकाबला दोनों तरफ से चलता रहा. नॉर्वे को लगा कि खेल दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद उन्होंने फिर से बढ़त बना ली है, जब लियो ओस्टिगार्ड के क्रॉस से गोल हुआ, लेकिन वीएआर ने इसे खारिज कर दिया क्योंकि एर्लिंग हालैंड ने गोल से पहले फाउल किया था. इंग्लैंड को भी लगा कि उन्हें आगे बढ़ने का सुनहरा मौका मिल गया है, जब अतिरिक्त समय के बीच में जेड स्पेंस को पेनल्टी मिली. हालांकि, वीएआर रिव्यू के बाद रेफरी ने फैसला बदल दिया और कहा कि स्पेंस ने ऑस्कर बॉब के साथ संपर्क की शुरुआत की थी. मैच अतिरिक्त समय में गया और इंग्लैंड को 93वें मिनट में निर्णायक सफलता मिली. मॉर्गन रोजर्स ने दूर से एक ज़बरदस्त शॉट मारा जिसे नॉर्वे के गोलकीपर ओरजान नाइलैंड रोक नहीं पाए, जिससे बेलिंगहम को रिबाउंड पर गोल करने का मौका मिला और उन्होंने रात का अपना दूसरा गोल किया. नॉर्वे ने हार नहीं मानी और बराबरी का गोल करने के लिए अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया. एंटोनियो नुसा, पैट्रिक बर्ग और ऑस्कर बॉब सभी गोल के करीब पहुंचे, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने कई अहम बचाव किए, जबकि जॉन स्टोन्स और मार्क गुएही ने बढ़त बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण डिफेंसिव ब्लॉक किए. इंग्लैंड के पास बुकायो साका और स्पेंस के ज़रिए अपनी बढ़त बढ़ाने के मौके थे, लेकिन नाइलैंड ने दो शानदार बचाव किए और नॉर्वे को आखिरी पलों तक मुकाबले में बनाए रखा. इस जीत के साथ इंग्लैंड चौथी बार फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफ़ाइनल में पहुंच गया है और 1966 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप का खिताब जीतने की उनकी उम्मीदें भी बनी हुई हैं. फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुक़ाबला स्विट्जरलैंड या मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा.

10 वां मिनट : एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने गोल करके अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई.

67 वां मिनट : डैन एनडोये ने गोल करके स्विट्ज़रलैंड को 1-1 की बराबरी पर ला दिया.

112 वां मिनट : जूलियन अल्वारेज ने गोल करके अर्जेंटीना को 2-1 से आगे कर दिया.

121 वां मिनट : लाउटारो मार्टिनेज ने गोल करके अर्जेंटीना की जीत 3-1 से पक्की की

121 वां मिनट : लाउटारो मार्टिनेज ने गोल करके अर्जेंटीना की जीत 3-1 से पक्की की

72 वां मिनट : एम्बोलो को दूसरा पीला कार्ड मिला और स्विट्ज़रलैंड 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने लगा.

परिस्थितियों को देखकर वैभव सूर्यवंशी को बाहर किया : श्रेयस

साउथैंप्टन, 12 जुलाई इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 0-4 की हार के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम मुकाबले से बाहर रखने के फैसले का बचाव किया है.

श्रृंखला के पांचवें और अंतिम मैच में वैभव की जगह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने पर क्रिकेट जगत में सवाल उठे थे. आलोचनाओं के बीच अय्यर ने स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी खिलाड़ी के प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि टीम संयोजन और

परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लिया गया था. श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि टीम प्रबंधन अंतिम मुकाबले में एक अलग ओपनिंग संयोजन आजमाना चाहता था. उनके अनुसार, बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ दाएं हाथ के बल्लेबाज को पारी की शुरुआत कराने की योजना बनाई गई थी.

लॉर्ड्स टेस्ट में यास्तिका का ऐतिहासिक शतक

▸ ऑनर्स बोर्ड में दर्ज कराया नाम

लंदन, 12 जुलाई. भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में शुमार लॉर्ड्स पर ऐसा इतिहास रच दिया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा.

इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र महिला टेस्ट मैच के तीसरे दिन यास्तिका ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला टेस्ट शतक पूरा किया. 145 गेंदों में 12 चौकों की मदद से शतक जमाने वाली यास्तिका लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला

> तीसरे दिन लंच तक यास्तिका 91 रन बनाकर नाबाद थीं. लंच के बाद उन्होंने बिना किसी दबाव के अपनी पारी को आगे बढ़ाया. इंग्लैंड की तेज गेंदबाज इसी वोंग के खिलाफ लगातार दो शानदार चौके लगाकर उन्होंने शतक के करीब कदम बढ़ाए और फिर कवर की दिशा में एक रन लेकर ऐतिहासिक तीन अंकों का आंकड़ा छू लिया. शतक पूरा होते ही यास्तिका भावुक हो गईं. उन्होंने घुटनों के बल बैठकर लॉर्ड्स की ऐतिहासिक पिच को चूमा और अपने इस यादगार पल का जश्न मनाया. स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिवादन किया.

क्रिकेटर बन गईं. इस उपलब्धि के साथ उनका नाम लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर्स बोर्ड में भी दर्ज हो गया, जो किसी भी क्रिकेटर के लिए सबसे बड़े सम्मानों में गिना जाता है.

ब्रेंडन मैकुलम अब इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच नहीं

लंदन. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच के पद पर बड़ा बदलाव करते हुए ब्रेंडन मैकुलम को इस जिम्मेदारी से हटा दिया है. हालांकि, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान मैकुलम इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीमों के साथ जुड़े रहेंगे और वनडे तथा टी20 टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे. यह फैसला ऐसे समय आया है जब इंग्लैंड ने हाल ही में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 4-0 से अपने नाम की और दुनिया की नंबर एक टी20 टीम बनने का गौरव हासिल किया. इसके बावजूद ईसीबी ने टेस्ट टीम के लिए अलग नेतृत्व की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कोचिंग ढांचे में बदलाव का निर्णय लिया है.

यूएफसी 329 : कॉनर मैकग्रेगर की वापसी 69 सेकेंड में खत्म

लास वेगास, 12 जुलाई पांच वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यूएफसी में वापसी करने उतरे आयरलैंड के स्टार मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर कॉनर मैकग्रेगर की वापसी बेहद निराशाजनक रही।

यूएफसी 329 के मुख्य मुकाबले में मैक्स होलोवे के खिलाफ उनका अभियान महज 69 सेकेंड में गंभीर पैर की चोट के साथ समाप्त हो गया। पहले राउंड के शुरुआती क्षणों में ही लगी चोट के कारण मैकग्रेगर मुकाबला जारी नहीं रख सके और रेफरी ने मुकाबला रोकते हुए मैक्स होलोवे को तकनीकी नॉकआउट (टीकेओ) से विजेता घोषित कर दिया। इस नतीजे ने न केवल दर्शकों को स्तब्ध कर दिया.

टी-20 चैंपियन ▸ भारत को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा

पुरुष टी-20 टीम रैंकिंग में इंग्लैंड शीर्ष पर

दुबई, 12 जुलाई मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैंपियन के खिलाफ घरेलू मैदान पर शानदार जीत के बाद, इंग्लैंड आईसीसी पुरुष टी-20 टीम रैंकिंग में नई नंबर वन टीम बन गई है.

दूसरी ओर, भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया है. उसे इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा,और इससे पहले पिछले महीने के आखिर में उसे आयरलैंड से भी हार मिली थी. टी-20 टीम रैंकिंग में भारत को शीर्ष से हटाकर इंग्लैंड ने इस दौर का अंत किया. जो फरवरी 2022 में भारतीय टीम के नंबर वन बनने के साथ शुरू हुआ था

और 1,600 से अधिक दिनों तक चला. हैरी ब्रूक और जोस बटलर ने मिलकर भारत की बॉलिंग लाइन-अप को ध्वस्त कर दिया और साउथेम्प्टन में पांचवें टी-20 में दूसरे विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की. जहां ओपनर ने शानदार शतक लगाया, वहीं उनके कप्तान 95 रन पर नाबाद रहे और इस दौरान टी-20 में अपनी सबसे तेज हाफ-सेंचुरी भी पूरी की. आखिरी टी-20 से पहले, इंग्लैंड के कप्तान ने नंबर वन स्पॉट को टीम का लक्ष्य बताया था और

> उन्होंने नॉटिंघम में भारत को टी-29 में उनकी सबसे बड़ी हार का सामना कराया और ब्रिस्टल में सिर्फ़ 13.4 ओवर में 159 रनों का लक्ष्य हासिल किया. भारतीय टीम, इस साल फरवरी में अहमदाबाद में हुए विश्वकप की खिताबी जीत के बाद से अभी तक कोई जीत हासिल नहीं कर पाई है.

शानदार ढंग से इसे हासिल भी कर लिया. सीरीज़ की शुरुआत चेस्टर-ले-स्ट्रीट में बारिश के कारण प्रभावित रही, जिसके बाद इंग्लैंड ने अगले चार मैचों में दबदबा बनाए रखा.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगी हीदर नाइट

लंदन. इंग्लैंड की दिग्गज महिला क्रिकेटर और विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान हीदर नाइट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है. भारत के खिलाफ लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा एकमात्र टेस्ट मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का अंतिम मुकाबला होगा. इस घोषणा के साथ ही नाइट के 16 वर्षों तक फैले शानदार क्रिकेट करियर का समापन हो जाएगा. वर्ष 2010 में इंग्लैंड के लिए पदार्पण करने वाली नाइट अपने देश की महिला टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शुमार रही हैं और सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली इंग्लिश महिला क्रिकेटर के रूप में खेल को अलविदा कहेंगी.

तीरंदाजी : धीरज-कीर्ति कांस्य पदक से चूके

3-1 की बढ़त गंवाकर इटली से हारे

मैड्रिड, 12 जुलाई. भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा और कीर्ति शर्मा की रिकर्व मिश्रित जोड़ी तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में कांस्य पदक जीतने से चूक गई.

रविवार को खेले गए कांस्य पदक मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए 3-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इस बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी और इटली की रोबर्टा डि फ्रांसेस्को तथा माटेओ बोरसानी की जोड़ी के खिलाफ 3-5 से हार का सामना करना पड़ा. इस हार के साथ भारत की मिश्रित रिकर्व टीम का पदक जीतने का अभियान समाप्त हो गया, जबकि धीरज

बोम्मादेवरा मैड्रिड विश्व कप से बिना पदक के लौटेंगे.

मुकाबले की शुरुआत बेहद संतुलित रही. पहले सेट में दोनों टीमों ने 38-38 का स्कोर बनाया और अंक साझा किए. दूसरे सेट में भारतीय जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए केवल दो अंक गंवाए और 38 का स्कोर खड़ा किया. वहीं, इटली की जोड़ी 37 अंक ही बना सकी, जिससे भारत ने 3-1 की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली. उस समय भारतीय टीम मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही थी और कांस्य पदक की दावेदार मानी जा रही थी.

हालांकि, तीसरे सेट में मुकाबले का रुख बदल गया. इटली की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 39-37 से सेट अपने नाम किया और स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया.